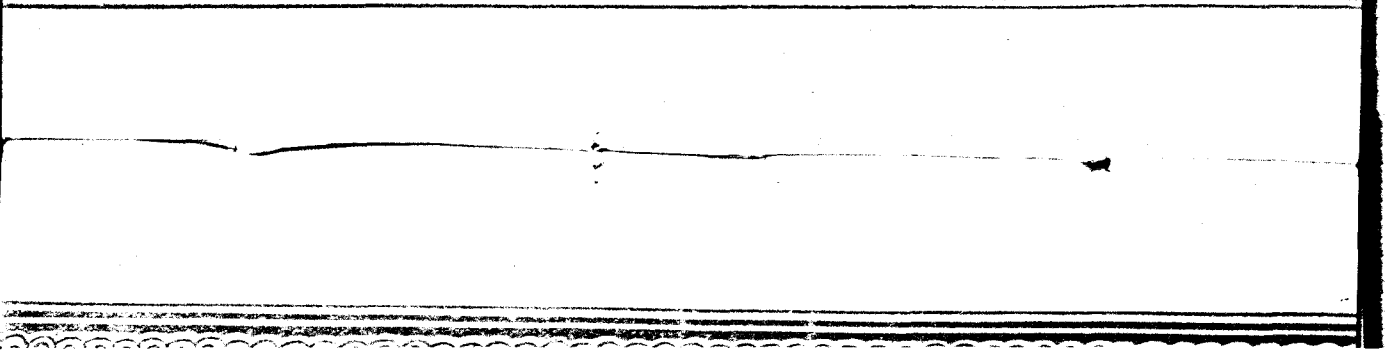
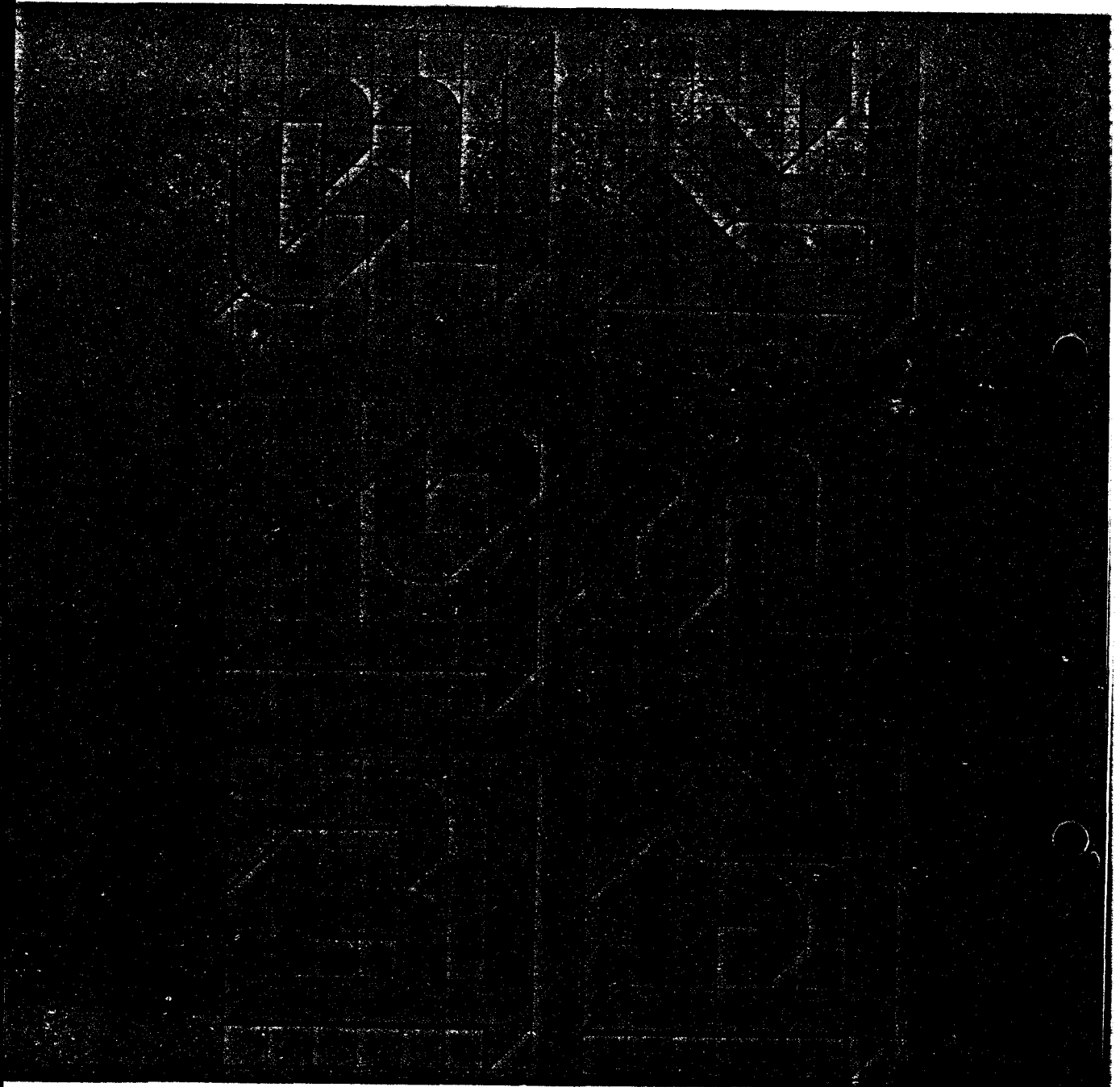
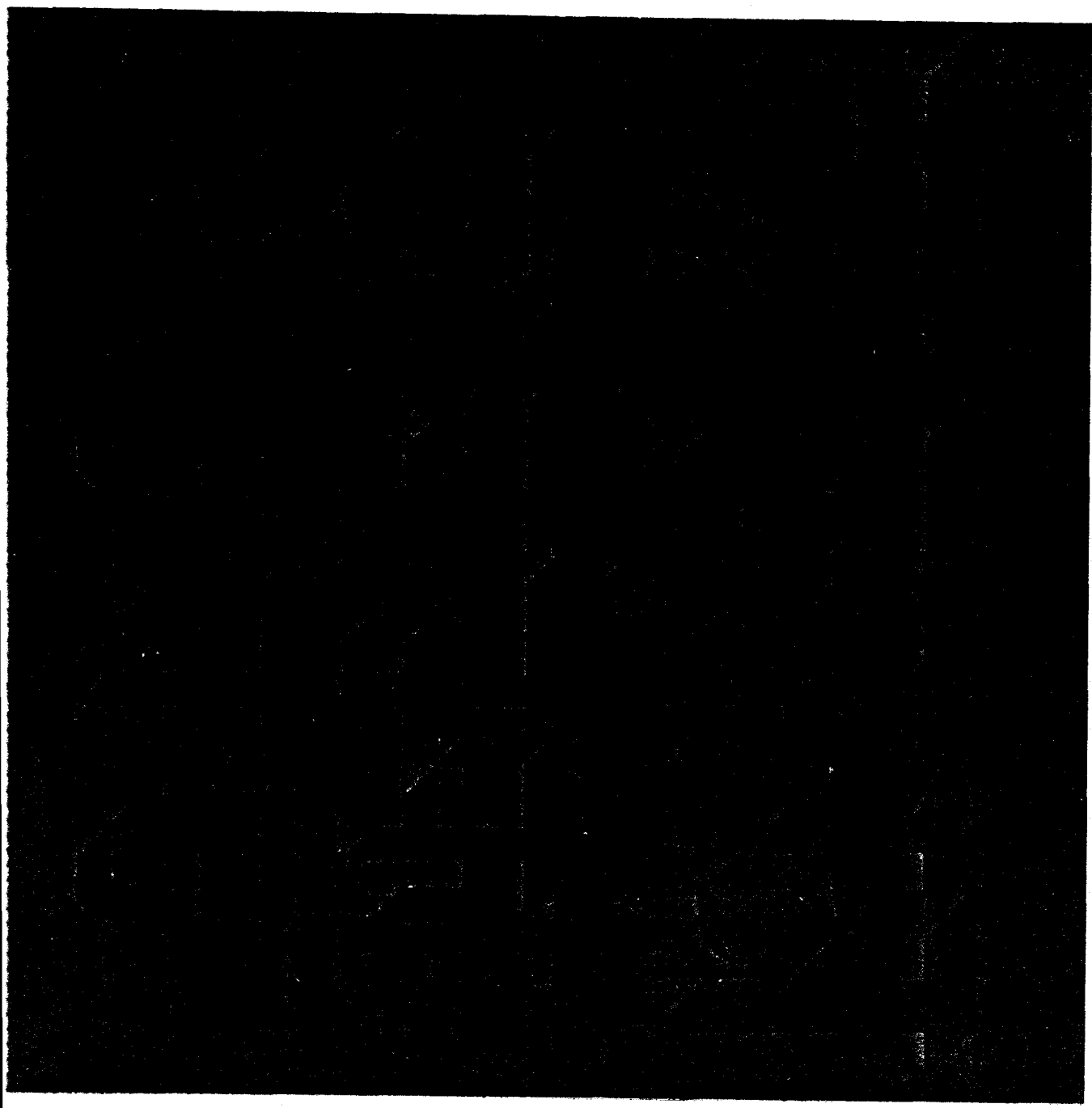
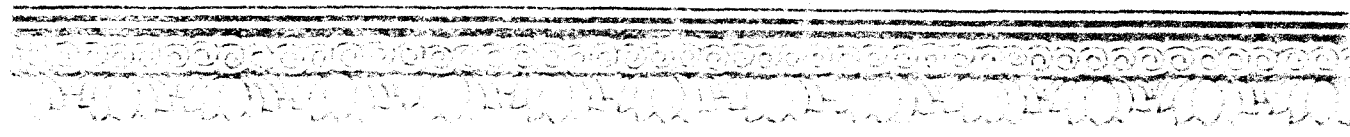


The Deva-Nagri as we know today has been evolved as a reed-written script.

The common reed--a product of river-side marshes, having necessary flexibility and hardness for calligraphy, has been in use since long.

Handling of reed is quite a simple affair, if one knows the method. End of the pencil length of a reed is cut skantwise as in the above figure. The thin end of the wedge is again cut at 45°—and finally a vertical fissure in the centre is forced. This makes the reed flexible and helps an easy flow of ink.





Faint, illegible text is visible at the bottom of the page, appearing as light gray lines on a white background.

३	६	५	४	३	२	१	०	६	५	४	३	२	१	०	६	५	४	३	२	१	०	६	५	४	३	२	१	०
ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ
ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ
ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ
ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ
ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ
ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

श्री कृष्णार्जुनसंवादे
अर्जुनस्य उवाच
अहो भूयः पापमेतन्मम
कृतं त्वया दृष्ट्वा विशुभम्
अहो भूयः पापमेतन्मम
कृतं त्वया दृष्ट्वा विशुभम्

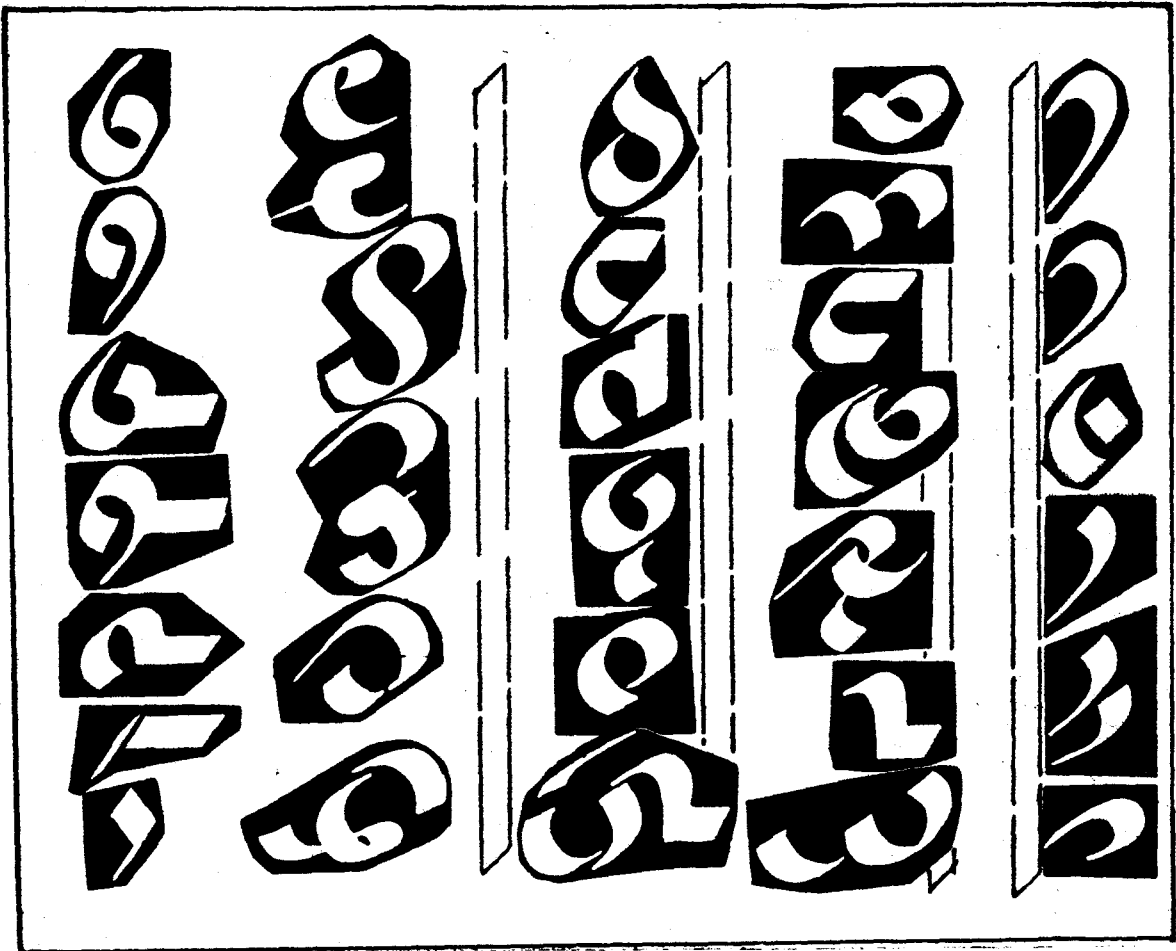
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



क न ज क्ष ह स ष
 १२३४५६७८९१०
 न क न ल न म न
 उ ग ङ ग य ङ ङ

Next in order come the compound letters—two or more letters joined. This joining is rather a tricky affair. The character of separate constituents demand respect and yet the joint effect should itself be unifying and not merely have a 'stuck-on' look.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



संयुक्त उद्योग राष्ट्रिय
उत्पन्न द्वाष्ट मूल्य
वर्द्ध पर्व अष्टुष्ट
कार अर्था न न लेके
य श्व ह ल्य ल